पीयर-रिव्यूड जर्नल
जर्नल वेबसाइटः
https://anubodhan.org

अनुबोधन, खण्ड 2, अंक 3, जुलाई–सितम्बर 2026, पृष्ठ 38–43
ISSN: 3049-4184 (प्रिन्ट) 3108-1185 (ऑनलाइन)
https://doi.org/10.65885/anubodhan.v2n3.2026.096

माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन

डॉ० पंकज पाण्डेय [1]

प्राप्तिः 8 जून 2026 / संशोधित: 20 जून 2026 / स्वीकृतः 25 जून 2026 / प्रकाशित ऑनलाइन: 9 अगस्त 2026
Copyright © 2026 Author(s). Published by Siri Research Foundation. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution International License (CC BY 4.0).

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना तथा लिंग एवं विद्यालयी बोर्ड के आधार पर विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में पाए जाने वाले अन्तर का विश्लेषण करना है। अध्ययन में माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के स्तर, छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया। अध्ययन हेतु उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के पाँच विकास खण्डों से यू0 पी0 बोर्ड के 09 तथा सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के 05 विद्यालयों का यादृच्छिक विधि से चयन किया गया। अध्ययन में कुल 437 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में सम्मिलित किया गया, जिनमें 227 छात्र एवं 210 छात्राएँ थीं। शोध के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा आँकड़ों के संकलन हेतु 'अध्यापक के भावात्मक अध्यापकीय व्यवहार अभिवृत्ति मापनी' का प्रयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-अनुपात आदि सांख्यिकीय विधियों द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि 65.2 प्रतिशत विद्यार्थियों की अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति अभिवृत्ति औसत स्तर की थी, जबकि 16.7 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृत्ति उच्च तथा 18.1 प्रतिशत की निम्न स्तर की पायी गयी। छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया तथा छात्राओं की अभिवृत्ति छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। इसी प्रकार यू0 पी0 बोर्ड एवं सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में भी सार्थक अन्तर पाया गया, जिसमें यू0 पी0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति अधिक थी। यू0पी0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, जबकि सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार का विद्यार्थियों की अभिवृत्ति पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अतः विद्यार्थियों के भावात्मक एवं शैक्षिक विकास को प्रभावी बनाने के लिए अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार में अपेक्षित सुधार एवं परिमार्जन आवश्यक है।

[1] प्रवक्ता, शिक्षाशास्त्र, एस० एस० बी० इण्टर कालेज, अमिला, मऊ – 275301, उत्तर प्रदेश
✉ डॉ० पंकज पाण्डेय, E-mail: ssbpankajpandey2021@gmail.com

बीजशब्द: माध्यमिक शिक्षा, अध्यापक व्यवहार, भावात्मक व्यवहार, विद्यार्थियों की अभिवृत्ति, शिक्षक-विद्यार्थी अन्तःक्रिया।

शिक्षा, मानव विकास संसाधन का सार तत्त्व है, जो देश के सामाजिक, आर्थिक ताने–बाने को संतुलित करने में महत्त्वपूर्ण और उपचारात्मक भूमिका निभाती है। मनुष्य इसके सबसे मूल्यवान संसाधन हैं। ऐसे में मनुष्यों को बेहतर गुणवत्ता वाला जीवन देने के लिये मौलिक शिक्षा के रूप में विकास और देखभाल की आवश्यकता अवश्यम्भावी हो जाती है। इसके लिये उनके समग्र विकास की आवश्यकता है, जो कि शिक्षा की मजबूत नींव की निर्माण से किया जा सकता है।

व्यापक अर्थ में शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। किसी समाज में सदैव चलने वाली सीखने–सिखाने की यह सोद्देश्य प्रक्रिया ही शिक्षा कहलाती है। इस सीखने–सिखाने की सोद्देश्य प्रक्रिया में शिक्षक का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। शिक्षक, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न शक्तिशाली एवं निर्णायक कारक है। शिक्षण अधिगम की परिस्थिति एक अन्तःक्रियात्मक परिवेश प्रस्तुत करती है। यह अन्तः क्रियात्मक परिवेश शिक्षक, अधिगमकर्ता और अध्ययन विषयवस्तु के मध्य प्रतिफलित होती है जिसके फलस्वरूप अधिगम प्रतिफल की प्राप्ति होती है।

शोध अध्ययन की आवश्कता

अध्ययनों के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में छात्रों की अभिवृत्ति को शिक्षक व्यवहार प्रभावित करते हैं। शिक्षकों द्वारा किस स्तर के शिक्षण से छात्र की अभिवृत्ति कितनी प्रभावित होती है? इस प्रकार के शोध कार्यों का नितांत अभाव है। शोधकर्ता द्वारा अध्ययन के उपरान्त, शोधकर्ता के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति क्या है? माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्रों एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य क्या अन्तर है? इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आनुभविक शोध का अभाव है। अत: प्रस्तुत शोध समस्या के समाधान हेतु शोध समस्या का चुनाव किया गया है।

समस्या कथन

''माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन।''

प्रयुक्त तकनीकी पदों की संक्रियात्मक परिभाषा

भावात्मक व्यवहार :– भावात्मक व्यवहार के अन्तर्गत अध्यापक के द्वारा छात्रों में विषयवस्तु के आग्रहण, प्रतिक्रिया, अनुमूल्यन या मूल्यनिर्धारण, व्यवस्थापन, स्वाभावीकरण या आचरण को विकसित या स्पष्ट करने से सम्बन्धित व्यवहार आते हैं।

अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति से तात्पर्य अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्तियों व भावनाओं, पूर्वाग्रहों अथवा पक्षपातों, पूर्व निर्मित अभिप्रायों, विचारों, भय तथा मान्यताओं से है।

माध्यमिक स्तर के अध्यापक :– माध्यमिक स्तर के अध्यापक से तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा सुनिश्चित तथा निर्धारित परिनियमावली के अधीन माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश एवं केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड द्वारा चयनित माध्यमिक स्तर के शिक्षकों से है।

अध्ययन के उद्देश्य

उपरोक्त शोध समस्या के संदर्भ में शोधकर्ता ने निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया है।

1. माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के स्तर का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0 पी0 बोर्ड एवं सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
4. माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0 पी0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

5. माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

H.1– माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति सकारात्मक है।

H.2– माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य अन्तर है।

H.3– माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0पी0 बोर्ड एवं सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के मध्य अन्तर है।

H.4– माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0पी0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य अन्तर है।

H.5– माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य अन्तर है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में उ0प्र0 सरकार तथा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया।

प्रतिदर्शन

शोधकर्ता द्वारा प्रतिदर्शन के चयन हेतु यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध अध्ययन में जीवसंख्या से प्रतिदर्श के रूप में वाराणसी जनपद के प्रत्येक ब्लाक में से पाँच ब्लाकों काशी विद्यापीठ, पिंडरा, बड़ागाँव, सेवापुरी एवं हरहुआ ब्लाक को शोधकर्ता द्वारा सम्मिलित किया गया। वाराणसी जनपद के इन पाँच ब्लाकों से 09 यू0 पी0 बोर्ड के विद्यालयों तथा 05 सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के विद्यालयों को यादृच्छिक विधि द्वारा प्रतिदर्श के रूप में सम्मिलित किया गया।

यू0पी0 बोर्ड के विद्यालयों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं इसी प्रकार के सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड विद्यालयों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के तौर पर सम्मिलित किया गया है।

शोध अध्ययन की विधि

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

शोधकार्य प्रदत्त संकलन हेतु उन स्वनिर्मित उपकरणों का प्रयोग किया गया है, जिनका प्रयोग करके प्रयोज्यों से आँकड़े एकत्रित किये गये। अध्ययन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित उपकरण का प्रयोग किया गया।

1. अध्यापक के भावात्मक अध्यापकीय व्यवहार अभिवृत्ति मापनी।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ

प्रदत्तों की प्रकृति के आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण हेतु शोधकर्ता द्वारा, मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation), F अनुपात तथा t-test का प्रयोग शोध अध्ययन में किया गया।

शोध परिसीमन

प्रस्तुत शोध अध्ययन का परिसीमन निम्नलिखित है –

1. प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद तक सीमित है।
2. प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक व्यवहार के भावात्मक आयाम के प्रति छात्रों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है।

परिणाम

आँकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण के उपरान्त प्राप्त परिणामों का उद्देश्य के अनुसार विवरण निम्नलिखित है –

1. उद्देश्य से सम्बन्धित परिणाम

'भावात्मक अध्यापकीय व्यवहार अभिवृत्ति मापनी' से प्राप्त जिन विद्यार्थियों का अंक 98 से अधिक था ऐसे 16.7 प्रतिशत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति अभिवृत्ति, मानक के अनुरूप उच्च स्तर की पायी गयी।

जिन विद्यार्थियों का अंक 76 से 98 के मध्य पाया गया ऐसे 65.2 प्रतिशत विद्यार्थियों की माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति अभिवृत्ति, मानक के अनुरूप औसत स्तर की प्राप्त की गयी। जिन विद्यार्थियों का अंक 76 से कम पाया गया ऐसे 18.1 प्रतिशत विद्यार्थियों की माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति अभिवृत्ति, मानक के अनुसार निम्न स्तर की प्राप्त की गयी।

2. उद्देश्य से सम्बन्धित परिणाम

विद्यार्थियों की लैंगिक आधार पर अध्यापकों के'भावात्मक व्यवहार' के प्रति अभिवृत्ति

लैंगिक आधार	संख्या N	माध्य Mean	मानक विचलन S.D.	Std. Error Mean	मुक्तांश (df)	टी–मूल्य	पी–मूल्य (Sig.)	सार्थकता का स्तर 0.05
छात्र	227	86	11.29	.74	434	2.05	0.344	सार्थक है।
छात्रायें	210	88.19	10.98	.75				

प्रदत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् उपरोक्त तालिका से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर है।

जहाँ पर छात्रों का माध्य 86 प्राप्त हुआ है वहीं पर छात्राओं का माध्य 88.19 प्राप्त किया गया है। इस माध्य की गणना के अन्तर के आधार पर यह परिलक्षित होता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्राओं की अभिवृत्ति, छात्रों की अभिवृत्ति की तुलना में ज्यादा है।

3. उद्देश्य से सम्बन्धित परिणाम

विभिन्न बोर्ड के विद्यार्थियों की अध्यापकों के 'भावात्मक व्यवहार' के प्रति अभिवृत्ति से सम्बन्धित माध्य, मानक विचलन, टी–मूल्य, पी–मूल्य

बोर्ड (Board)	संख्या N	माध्य Mean	मानक विचलन S.d.	Std. Error Mean	मुक्तांश (df)	टी–मूल्य	पी–मूल्य (Sig.)	सार्थकता का स्तर 0.05
यू0पी0 बोर्ड	235	90.37	11.53	0.752	435	7.10	0.005	सार्थक है।
सी0बी0एस0ई0 बोर्ड	202	83.19	9.41	0.662				

प्रदत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् उपरोक्त तालिका से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर है। माध्य की गणना के अन्तर के आधार पर यह परिलक्षित होता है कि अपने अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0पी0बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति, सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति से ज्यादा है।

4. **उद्देश्य से सम्बन्धित परिणाम**

लैंगिक आधार पर यू0पी0बोर्ड के विद्यार्थियों की अध्यापकों के'भावात्मक व्यवहार' के प्रति अभिवृत्ति से सम्बन्धित, माध्य, मानक विचलन, टी–मूल्य व पी–मूल्य

यू0पी0 बोर्ड (U.P. Board)	संख्या N	माध्य Mean	मानक विचलन S.d.	Std. Error Mean	मुक्तांश (df)	टी–मूल्य	पी–मूल्य (Sig.)	सार्थकता का स्तर 0.05
छात्र	127	89.51	11.16	.990	233	1.23	.703	सार्थक नहीं है।
छात्रायें	108	91.38	11.93	1.14				

प्रदत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् उपरोक्त तालिका से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0पी0बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

5. उद्देश्य से सम्बन्धित परिणाम

लैंगिक आधार पर सी0बी0एस0ई0बोर्ड के विद्यार्थियों की अध्यापकों के'भावात्मक व्यवहार' के प्रति अभिवृत्ति से सम्बन्धित माध्य, मानक विचलन, टी–मूल्य व पी–मूल्य

सी0बी0एस0ई0 बोर्ड (C.B.S.E. Board)	संख्या N	माध्य Mean	मानक विचलन S.d.	Std. Error Mean	मुक्तांश (df)	टी–मूल्य	पी–मूल्य (Sig.)	सार्थकता का स्तर 0.05
छात्र	100	81.55	9.83	.983	200	2.49	.037	सार्थक है।
छात्रायें	102	84.81	8.73	.864				

प्रदत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् उपरोक्त तालिका से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर है। माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्रों की अभिवृत्ति, छात्राओं की अभिवृत्ति से कम है।

निष्कर्ष

प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति औसत स्तर की है। माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति छात्राओं की अभिवृत्ति, छात्रों की अभिवृत्ति की तुलना में ज्यादा है। इस बात में यह स्पष्ट है कि छात्रायें अपने प्राध्यापक से भावात्मक रूप से छात्रों की तुलना में ज्यादा प्रभावित होती हैं।

माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति यू0पी बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति, सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति की तुलना में अधिक है। इससे यह स्पष्ट है कि यू0पी0 बोर्ड के विद्यार्थी अपने अध्यापक के भावात्मक व्यवहार के प्रति प्रवृत्तियों, भावानाओं, पूर्वाग्रहों, पक्षपातों, पूर्व निर्मित अभिप्रायों विचारों, भय तथा मान्यताओं को सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक रखते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों में उनके अभिवृत्ति के स्तर को देखने पर यह पता चलता है कि सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की छात्राओं की अभिवृत्ति छात्रों की तुलना में ज्यादा है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन से यह स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों क भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति औसत स्तर की है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि माध्यमिक स्तर के अध्यापकों को अपने भावात्मक व्यवहार में अपेक्षित परिमार्जन करना चाहिए जिसके प्रभाव से विद्यार्थियों के अभिवृत्ति के स्तर में सुधार लाया जा सके।

अध्ययन से प्राप्त परिणामों से यह ज्ञात है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी अपने अध्यापक से सबसे ज्यादा भावात्मक व्यवहार की अपेक्षा रखते हैं। चूँकि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी किशोरावस्था के होते हैं। इनमें भावात्मक उद्देलन ज्यादा होती है। इस बात को शिक्षक समुदाय के साथ–साथ समाज में रहने वाले जिम्मेदार नागरिकों को भी समझने में मदद मिलेगी जिससे किशोरावस्था के बालकों की सही दिशा एवं दशा निर्धारित की जा सकेगी।

भावी शोध हेतु सुझाव

1. प्रस्तुत अध्ययन केवल वाराणसी शहर तक परिसीमित किया गया है। आगामी अध्ययनों में इसके क्षेत्र को और विस्तृत किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत अध्ययन में केवल माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है। भावी अध्ययनों में इसे प्राथमिक व उच्च शिक्षा के स्तर पर भी प्रसारित किया जा सकता है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक व्यवहार के भावात्मक आयाम के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है। भावी शोध, शिक्षक व्यवहार के अन्य आयामों के प्रति विद्यार्थियों को अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है।
4. प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक के भावात्मक व्यवहार के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि द्वारा किया गया। आगामी अध्ययनों में निरीक्षण विधि का प्रयोग किया जा सकता है।

सन्दर्भ

Ali, R. (2017). *Value-Belief-Norm Theory In The Context of Environmental Behavior of The Trainee-Teachers (Unpublished Doctoral thesis)*. University of The Calcutta.

Anderson, S.B., et al. (1976). *Encyclopedia of Educational Evaluation*. London: Jossey-Boss Publisers. Pandey, K.P. (1997). *Modern Concept Of Teaching Behaviour* (1st ed). New Delhi: Anamika Publishers & distributors (P) Ltd.

Gregory, R. J. (2006). *Psychological Testing: History, Principles, and Applications*. New Delhi: Dorling Kindersley Pvt. Ltd.

Robert, L. Ebel. (1972). *Essentials of Educational Measurement*. New Delhi: Prentic-Hall of india Pvt. Ltd.

Sirohi, S. (2006). *A Study of Attudes, Values and Morales of Secondary School Teachers at Their Different Levels of Teaching Effectiveness* (Unpublished Doctoral thesis). Meerut: Meerut Collage.

कपूर, उर्मिला. (1994). *शैक्षिक तकनीकी*, आगरा: साहित्य प्रकाशन.

भार्गव, महेश. (2013). *आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन*. आगरा: एच पी० भार्गव बुक हाउस.

शर्मा, आर० ए०. (2015). *अध्यापक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तकनीकी*. मेरठ: आर लाल बुक डिपो.

संजय (2013). *प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कक्षागत शिक्षण व्यवहार का अध्ययन (अनपब्लिश्ड डाक्टोरल थेसिस)*. वाराणसी: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय.

त्रिपाठी, आर0.बी0. एवं सिंह, आर0 एन0 (1980). उच्च सामाजिक मनोविज्ञान: जौनपुर: भारत भारती प्रकाशन.

Websites

Bloom's Taxonomy: The Cognative Domain (n.d.). http://www.nwlink.com/donclark/hdr/Bloom/cognative_domain.html

Bloom's Taxonomy: The Affective Domain (n.d.). http://www.nwlink.com/-donclark/hdr / Bloom/affective_domain.html

Bloom's Taxonomy: The Psychomotor Domain (n.d.). http://www.nwlink.com/-donclark/hdr/Bloom/psychomotor_domain.html